भारत की लोक कलाएं एवं भोजपुरी सिनेमा

संपादक

गोविन्द जी पाण्डेय

हरिनाथ कुमार

शीर्षक : भारत की लोक कलाएं एवं भोजपुरी सिनेमा

सम्पादक : प्रो. गोविन्द जी पाण्डेय, डॉ. हरिनाथ कुमार

© प्रकाशक

संस्करण : 2021

ISBN : 978-81-951512-2-6

प्रकाशक :

यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन

22/4735, प्रकाश दीप बिल्डिंग,

अंसारी रोड, दरियागंज,

नई दिल्ली-110 002

मुद्रक :

इन-हाउस

नई दिल्ली-110 002

20

भोजपुरी सिनेमा के प्रचार-प्रसार में न्यू मीडिया की भूमिका

• डॉ. मुकुल श्रीवास्तव[1], सैय्यद काज़िम असग़र रिज़वी[2]

भोजपुरी सिनेमा के 50 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। यह 50 वर्ष भोजपुरी फिल्मों के लिए बड़े ही चुनौतीपूर्ण रहे हैं। हिंदी फिल्मों के तले अपनी एक पहचान बनाना और दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच कर लाना इसके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता कि भोजपुरी सिनेमा वयस्क फिल्मों के रूप में गिनी जाने लगी थी जो इसके लिए एक नकारात्मक छवि बन गयी थी, वहाँ अब भोजपुरी फिल्म जगत में परिवारिक फिल्मों के निर्माण में तेजी आयी है और न्यू मीडिया के द्वारा प्रचार-प्रसार ने देश एवं विदेशों में भोजपुरी फिल्म के दर्शकों में भारी इजाफा हुआ। आज भोजपुरी सिनेमा ने वैश्विक स्तर पर "भोजीवुड" नाम से अपनी एक पहचान स्थापित की है। अगर इसके इतिहास पर नजर डाले तो उत्तर भारत में स्थानीय भारतीय भाषा के रूप में भोजपुरी सिनेमा ने 1961 भी प्रदार्पण किया और विश्वानाथ शाहाबादी ने पहली भोजपुरी फिल्म 'गंगा मैया तोहे पियरी चढ़इबो' का निर्माण किया।

आज भोजपुरी फिल्म उद्योग अब 2000 करोड़ रुपये का एक इंटरटेनमेंट उद्योग है, साथ ही साथ ग्लोवल होती इस दुनिया में मोबाइल और इन्टरनेट क्रांति ने भोजपुरी सिनेमा के प्रचार-प्रसार में वैश्विक स्तर पर दर्शक दिये और पहचान स्थापित की है।

1 प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
2 शोधार्थी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

आज डिजिटल युग में जहाँ हर तरह की सूचना और जानकारी न्यू मीडिया के किसी न किसी माध्यम के द्वारा वैश्विक स्तर पर देखी या पढ़ी जा सकती है। इसी तरह किसी भी प्रकार का प्रचार हो वह भी इन्टरनेट के द्वारा उसका प्रचार कराना संभव हो गया है। इसी तरह न्यू टेक्नोलॉजी का लाभ एंटरटेनमेंट सेक्टर और बॉलीवुड ने भी अपनी फिल्म्स और प्रोमोज के प्रचार भी शामिल कर लिया है जिससे आज वैश्विक स्तर पर एक बड़ा दर्शक वर्ग भारतीय फिल्म को देख पाने में कामयाब हो पा रहा है। इसी तरह बॉलीवुड की सफलता को देखकर भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री ने भी न्यू इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी और सोशल मीडिया को प्रचार उपकरण के तौर पर किया है। इस नयी डिजीटल प्रचार रणनीति ने भोजपूरी फिल्म इंडस्ट्री को इंटरनेशलन पहचान दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई है। और अब ही परिणाम भी दिखने लगे हैं। अगर आज के समय में देखें तो "भोजीवुड" फिल्म इंडस्ट्री आर्थिक दृष्टि से वर्ष 2017 के अन्त तक दो हजार करोड़ की इंडस्ट्री बन चुकी थी।

इन्टरनेट और यूट्यूब पर भोजपुरी फिल्म का प्रचार

अगर भोजपुरी सिनेमा के प्रचार में न्यू मीडिया की बात करें तो इसकी पहली शुरुआत आई.आई..टी-बी.एच.यू (IIT&BHU) के छात्रों ने की है, जिन्होंने भोजपुर सिनेमा के प्रमोशन के लिए एक वेबसाइट बनायी है www.bhojpuriacinema.com के नाम से।

भोजपुरी फिल्म और संस्कृति के प्रमोशन के लिए पहली बार कोई इस तरह की वेबसाइट बन कर सामने आयी थी। यह कारनामा आई.आई. टी.-बी.एच.यू (IIT&BHU) के कंप्यूटर साइंस विभाग के शोधार्थी आकाश दत्त दुबे और शाहनवाज खान ने किया है। जिन्होंने भोजपुरी फिल्म, कला और संस्कृति को एक वेबसाइट के द्वारा वैश्विक स्तर पर भोजपुरी समाज के लोगों के लिए एक क्लिक से उपलब्ध करा दिया। यह वेबसाइट भोजपुरी फिल्म के साथ-साथ लोकल भोजपुरी फिल्म कलाकारों का डाटा बेस (Data Base) भी उपलब्ध करता है।

अब भोजपुरी सिनेमा और कलाकारों ने भी बॉलीवुड की राह पर चलते हुए, फिल्म तथा कलाकार भी प्रमोशन और रिलीज के लिए इन्टरनेट का सहारा ले रहे हैं। इन्टरनेट पर भोजपुरी फिल्म्स को रिलीज कर के